



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 164]
No. 164]

नई दिल्ली, शनिवार मई 1, 1982/वैशाख 11, 1904
NEW DELHI, SATURDAY MAY 1, 1982/VAISAKHA 11, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 1 मई 1982

का० आ० 293(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/82:—
केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,
1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा
(1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत
सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के प्रादेश
सं० का० आ० 695 (अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/72
तारीख 3 नवम्बर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात्
प्रबन्ध ग्रहण प्रादेश कहा गया है) द्वारा भारत के औद्योगिक
पुनर्गठन निगम लिमिटेड कलकत्ता को, मेसर्स गणेश प्लोर
मिल्स कम्पनी लिमिटेड दिल्ली (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उक्त उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का
2 नवम्बर, 1977 तक पांच वर्ष की अवधि के लिए जिसके
अन्तर्गत वह तारीख भी है, प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए
प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार ने अपनी यह राय होने पर कि लोकहित
में ऐसा करना समीचीन है भारत सरकार के औद्योगिक
विकास के प्रादेश सं० का० आ० 742 (अ) तारीख 1 नवम्बर,
1977, का० आ० 630 (अ) तारीख 2 नवम्बर 1979,
का० आ० 873(अ) तारीख 1 नवम्बर, 1980, का० आ०
331(अ) तारीख 2 मई, 1981 और का० आ० 784 (अ)
तारीख 2 नवम्बर, 1981 द्वारा प्रबन्ध ग्रहण प्रादेश की
अवधि 2 नवम्बर, 1982 तक, जिसके अन्तर्गत वह तारीख
भी है, बढ़ा दी है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में
यह समीचीन है कि प्रबन्ध ग्रहण प्रादेश 2 मई, 1982
तक की और अवधि के लिए जिसके अन्तर्गत यह तारीख
भी है, प्रभावी बना रहे;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक
की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा
प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेदन करती है कि
प्रबन्ध ग्रहण प्रादेश 2 मई, 1982 तक की अवधि के लिए

जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रभावी बना रहेगा और यह भी निर्देश करती है कि उक्त उपक्रम का प्रबन्ध इस प्रादेश के पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रबन्ध बोर्ड द्वारा निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों पर किया जाएगा, अर्थात् :—

- (1) प्रबन्ध बोर्ड समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए सभी अनुदेशों का पालन करेगा;
- (2) बोर्ड 2 मई, 1982 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, पदस्थ रहेगा;
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि ऐसा करना आवश्यक समझती है तो उक्त प्रबन्ध बोर्ड या प्रबन्ध बोर्ड के किसी सदस्य की नियुक्ति को बिना कोई कारण बताए, 2 मई 1982 से पूर्व समाप्त कर सकेगी।

2 प्रबन्ध बोर्ड निम्नलिखित से मिलकर गठित होगा, अर्थात् :—

अध्यक्ष

1. श्री ए० आर० बन्धोपाध्याय,
संयुक्त सचिव, नागरिक पूर्ति मंत्रालय,
नई दिल्ली।

सदस्य

2. मुख्य निदेशक,
वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय,
नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली
3. लेखा नियंत्रक,
नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली
4. सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,
खाद्य एवं नागरिक पूर्ति विभाग,
लखनऊ
5. सचिव, पंजाब सरकार,
खाद्य एवं पूर्ति विभाग,
चण्डीगढ़
6. ग्रुप एग्जिक्युटिव (खाद्य तेल)
भारतीय राज्य व्यापार निगम,
36, जनपथ चन्द्रलोक, नई दिल्ली
7. संयुक्त सचिव, भारत सरकार
औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली
8. मुख्य कार्यपालक,
गणेश फ्लोर मिल्स कम्पनी लि०,
सब्जी मण्डी, दिल्ली
9. उप मुख्य कार्यपालक,
गणेश फ्लोर मिल्स कम्पनी लि०,
सब्जी मण्डी, दिल्ली

[फा० सं० 1(6)/80-सी०यू०एस०]

सी० के० मोदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 1st May, 1982

S.O. 293 (E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 695(E)/18AA/IDRA/72 dated the 3rd November, 1972 (hereinafter referred to as the taking over of management order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the management of the industrial undertaking known as Messers Ganesh Flour Mills Company Limited, Delhi (hereinafter referred to as the said undertaking), for a period of five years upto and inclusive of the 2nd day of November, 1977;

And, whereas, by the orders of the Government of India in the Department of Industrial Development Nos. S.O. 743(E), dated the 1st November, 1977, S.O. 630(E), dated the 2nd November, 1979, S.O. 873(E), dated the 1st November, 1980, S.O. 331(E), dated the 2nd May, 1981, and S.O. 784(E), dated the 2nd November, 1981, the Central Government being of the opinion that it is expedient in the public interest has extended the period of the taking over of management order upto and inclusive of the 2nd day of May, 1982;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the taking over of management Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd day of November, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the taking over of management Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd day of November, 1982, and that the said undertaking shall be managed by the Board of Management referred to in paragraph 2 of this order subject to the following terms and conditions :—

- (i) the Board of Management shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the Board shall hold office upto and inclusive of the 2nd day of November, 1982;
- (iii) the Central Government may terminate, without assigning any reason, the appointment of the said Board of Management, or any member thereof, earlier than the 2nd day of November, 1982, if the Government considers necessary to do so.

2. The Board of Management shall consist of the following, namely :—

CHAIRMAN

1. Shri A. R. Bandyopadhyay, Joint Secretary, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.

MEMBERS

2. Chief Director, Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.
3. Controller of Accounts, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.
4. Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Food and Civil Supplies Department, Lucknow.
5. Secretary to the Government of Punjab, Food and Supplies Department, Chandigarh.
6. Group Executive (Edible Oils), State Trading Corporation of India, 'Chandralok', 36, Janpath, New Delhi.
7. Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, New Delhi.
8. Chief Executive, Ganesh Flour Mills Co. Ltd., Sabzi Mandi, Delhi.
9. Deputy Chief Executive, Ganesh Flour Mills Company Limited, Sabzi Mandi, Delhi.

[File No. 4(6)/80-CUS]

C. K. MODI, Jt. Secy.